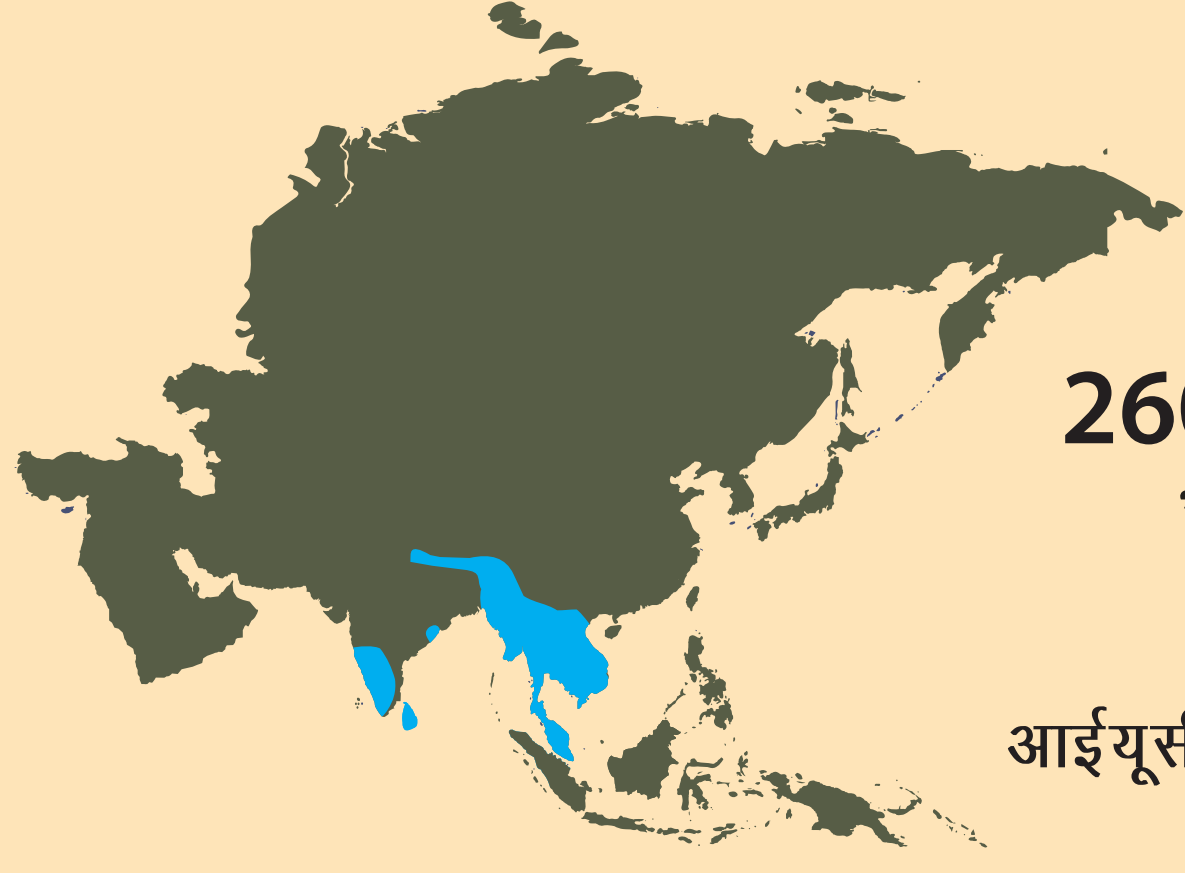
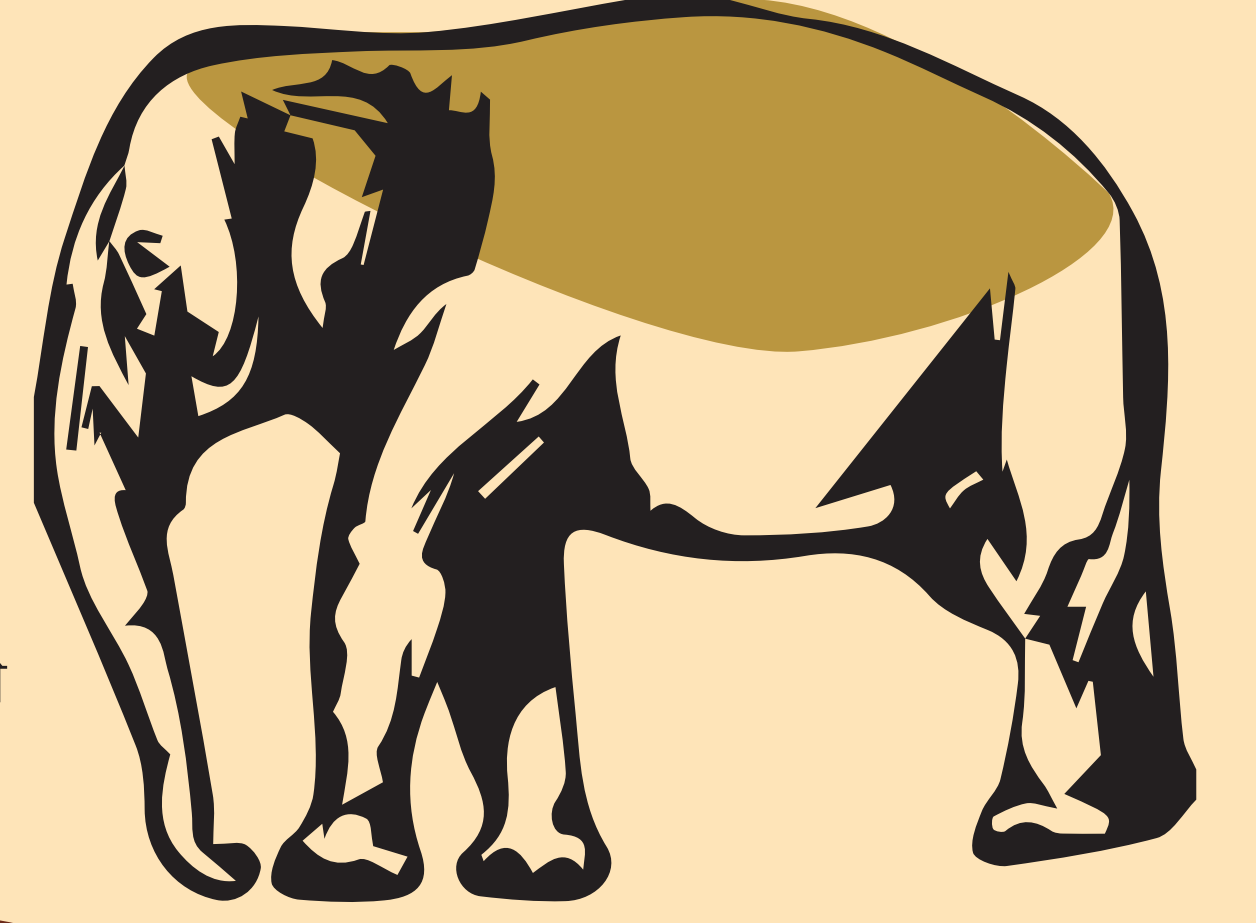


# एशियाई हाथी



26000 - 29000  
भारत में आबादी

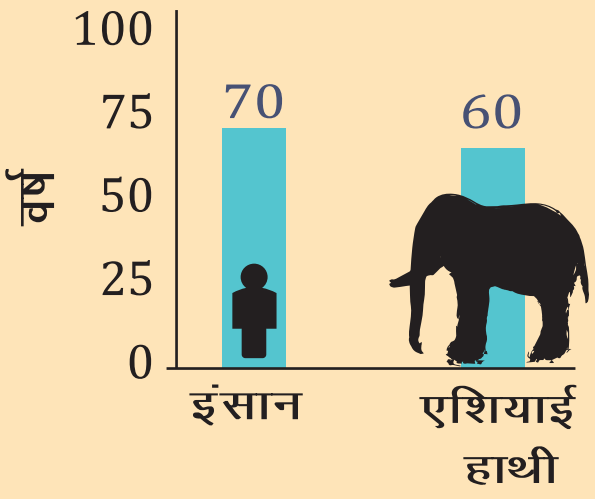
आईयूसीएन (IUCN) स्थिति :  
विलुप्तप्राय

## हाथी का पर्यावास

विस्तृत सीमाएँ घास से भरपूर सूखे और नम पतझड़ी आवासीय क्षेत्रों में रहना पसंद करता है।

## आहार

घास, टहनियाँ, पेड़ों की छाल, शाखाएँ, काष्ठीय पौधे, जड़ी-बूटियाँ और झाड़ियाँ प्रतिदिन 250-300 किलोग्राम



## जीवनकाल

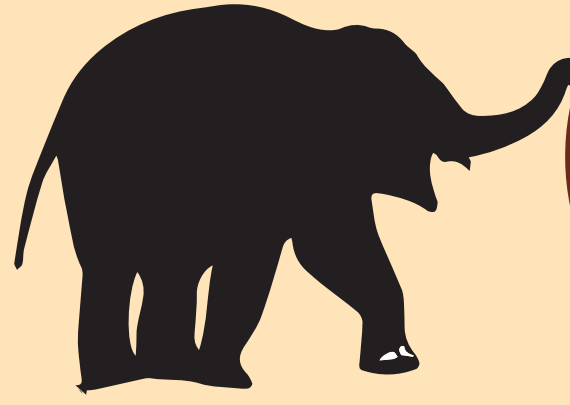
60 साल

## प्रजनन आयु

14 साल

## गर्भकाल

18-22 महीने



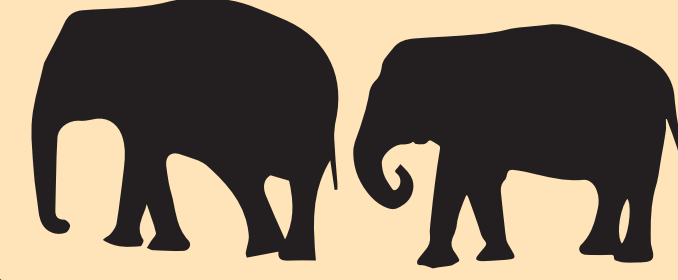
अत्यंत बुद्धिमान; देखकर औजारों के इस्तेमाल की नकल करने में सक्षम

केवल नर एशियाई हाथी के हाथीदांत होते हैं। मखना उन दोनों प्रकार के मादा और नर में से एक होते हैं, जिनके पास हाथीदांत नहीं होते

कुशल रूप से संपर्क करने और चीजों को पकड़ने के लिए अपनी सूंड का इस्तेमाल करता है

हाथी के सूंड का नेतृत्व वयस्क हथनी करती है जिसे कुलमाता भी कहा जाता है

## क्या आप जानते हैं?



स्वच्छ और पीने योग्य पानी पीता है

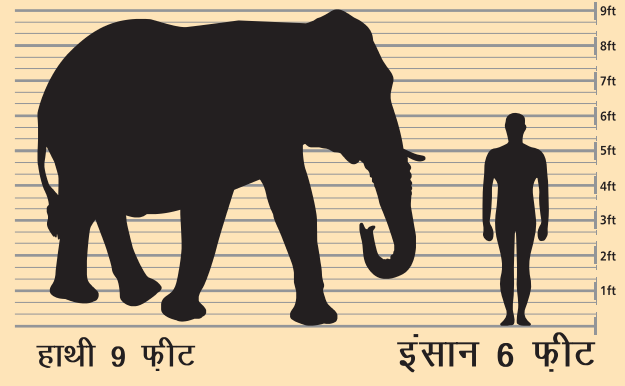
भारत में 1000 सालों से अधिक समय से हाथियों को बंदी बनाकर रखने का इतिहास है

इसके लिए छांव आवश्यक है जो इसे निर्जलीकरण से बचाती है

इसकी पाचन क्षमता 40% है; अतः पूर्ति करने के लिए यह लगातार खाता रहता है

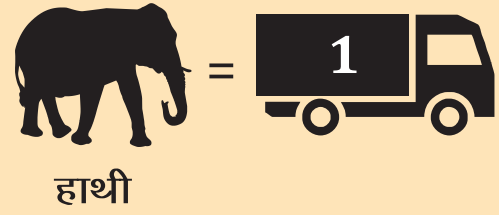
इसमें पसीने की ग्रंथियाँ नहीं होती हैं वह खुद पर मिट्टी फेंकता है और अपने बड़े कानों का उपयोग हवा फैलाने के लिए करता है

## लंबाई:

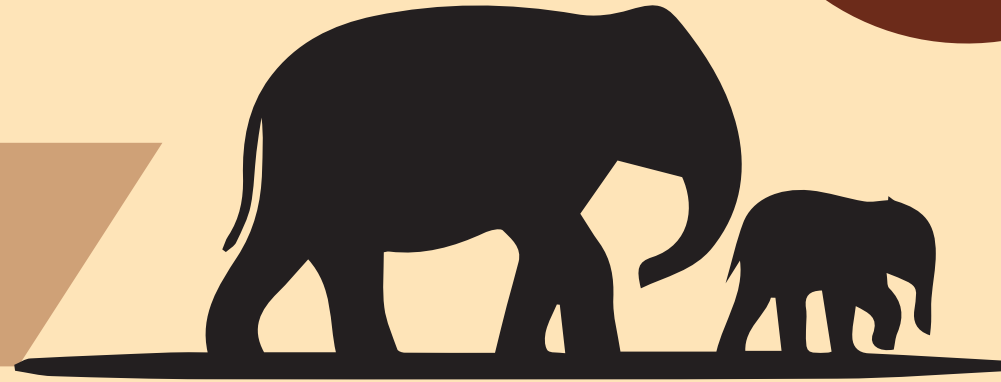


## वज़न

शावक: जन्म के समय 100 किलो  
हथनी: 2500-4500 किलो  
हाथी: 3000-6000 किलो



## समग्र दृष्टिकोण



1 हर साल 100 से ज़्यादा हाथी इंसानों द्वारा प्रतिशोध लेने या अवैध शिकार के कारण मारे जाते हैं

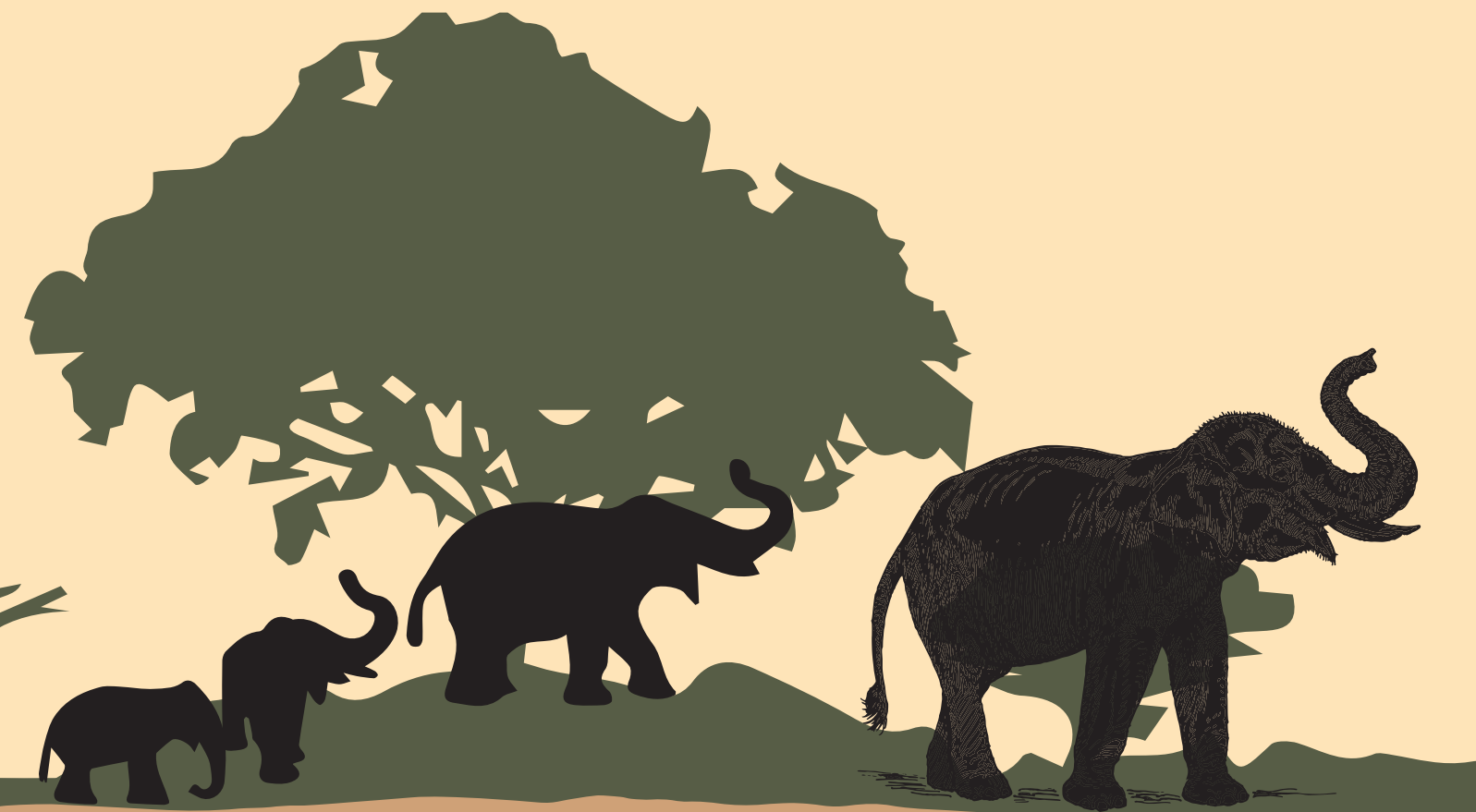
2 सभी हाथी फसलों को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। वैकल्पिक फसल उगाने और हाथी को दूर रखने के लिए अस्थायी बाड़ों के इस्तेमाल से (फसल परिपक्व होने पर) इन संघर्षों को कम किया जा सकता है

3 हाथी के कारण इंसान तभी मारे जाते हैं जब अचानक हाथी और इंसान का सामना हो जाता है या इंसान हाथी के बहुत पास चला जाता है। समय से पहले चेतावनी प्राप्त करने और हाथियों से दूर रहने के तरीकों का पालन कर इन घटनाओं को रोका जा सकता है

4 वनों की कटाई, कृषि भूमि का विस्तार, इंसानों द्वारा अतिक्रमण, हाथियों के साथ संघर्षों का कारण है

## प्रवास

हाथियों के दल की कुलमाता प्रवासी मार्ग को स्पष्ट रूप से याद रखने में सक्षम होती है। पर्यावास विखंडन और प्रवासी मार्ग में रुकावटें इंसानों और हाथियों के बीच संघर्षों को जन्म देती हैं। दल की कुलमाता या वयस्क हाथी की मृत्यु दल के व्यवहार में रुकावट पैदा करता है जिससे ऐसे संघर्ष और भयंकर बन जाते हैं



भारत में मनुष्य-वन्य जीव संघर्ष शमन पर भारत-जर्मनी सहयोग  
2017 - 2023

भारत में मनुष्य-वन्य जीव संघर्ष शमन  
के संबंध में सामंजस्यपूर्ण सहास्तित्व पद्धति का क्रियान्वयन



Implemented by

GIZ

